

ॐ नमः श्री वज्रसत्ताय ॥ ॥ श्री गुरु आह ॥ ॥ श्री गुरु त्वा न
मः ॥ गुरु वृद्ध गुरु धर्म गुरु संघं कथे वच गुरु वज्र ध्वजं च वगु
रु सर्वं नमामि हं ॥ ॥ ॐ आह ॥ वं वज्रादकं हं स्वाहा ॥ लं ख अ
धिष्ठान ॥ ॐ अति सिद्धी रुमायथा हि जात मा रुं धास्त्रापि ता
सर्वं तथागतं रुथा हं सनापयिष्यामि गुह्यं रुदिद्य न वा विद्मं

ॐ आ३ हं सर्वतथागत अतिथकसमप्रियहं॥ सिलसलंख
नराय॥ ॥ॐ श्रीस्वाहा॥ पास्वपा नमस्ताकाय॥ ॐ कायवि३
९ धनस्वाहा॥ लाहाकसिय॥ ॥ॐ सर्वविघ्नान्छादयहं॥ ॐ न
मातृगवतं पूष्यकतुवाजायतथागतायाहं नमस्तस्मै
य॥ नयथा॥ ॐ पूष्य२ महापूष्यसपूष्यपूष्यारुवपूष्यसम्भ

वपूष्यावकीर्णस्वाहा॥ पूजातलजप अनियाय॥ ॥ॐ आ३
हं॥ निष्ठुवजासनहं॥ स्वांकथुकपालथीकाआसनयाय॥ ॥
ॐ आहं सर्वपापानपनयहं॥ स्वांकजअखअनिन॥ ॥ॐ मक्षिध
निवकीशीमहाप्रतिमवज्र३ मांसर्वसत्वा३ हं३ रुद्रस्वा
हा॥ नकास्वानंकुय॥ ॥ॐ वज्रतिलकरवक्षस्वाहा॥ ॥ चतम

२
धुलसति न का अथ मं नीतिया ॥ ॥ ॐ वज्रलघुसुलघुहं ॥ स्त्रीजा
किलंखमथुना अमधुलहायकं गय ॥ ॐ दानं गमयं मम न च
सहि तं शीलं च ममाजं नं जाति रुडं पिपिलिका नयनयं वीर्यं
कीयास्का सन ध्यानं न रुधं मेकचिरु कव शं प्रज्ञा सवरा रु
ला प्रतापावमिताष उवचरु न रुत्ता मुनिर्मधुलं ॥ रुवगुकन

कवधूं सर्वशार्गे विमूक ४ सन मनूज वि शिष्टश्च उवदि पि
कान्तिधनकनकसमृद्धि जायत वाजवशसगतवचगृहस्मि
नकायकर्माधकृत्वा ॥ ॐ सुखं सर्वतथागतं धिष्टानाधिष्ट
नुस्वाहा ॥ तालनं ॥ ॐ च डाकं विमलं स्वाहा ॥ मधुलसस्वानवा
य ॥ ॐ वज्रसत्त्वसर्वविद्यानुत्सावहं ॥ ॥ ॐ हमा मथ्य मववनम

३
॥ ओं ह्रीं ४ मध्यम ववनमः ॥ ओं संस्र ३ मध्यम ववनमः ॥ मध्यम ॥
ओं यं पूर्वविदे हायनमः ॥ पूर्व ॥ ओं वं रज्जु क्षीणायनमः ॥ इति
॥ ओं लभ्यपन्नम जातीयनमः ॥ पश्चिमे ॥ ओं वं उरु रज्जु ववन
नमः ॥ उरु ॥ ओं या उपक्षीणायनमः ॥ अग्नौ ॥ ओं वा उपक्षीण
यनमः ॥ नै ॥ ला उपक्षीणायनमः ॥ वा ॥ ओं वा उपक्षीणायनमः ॥

॥ ओं यगज वत्सायनमः ॥ पू ॥ ओं नभस्वज वत्सायनमः ॥ इ
॥ ओं लपूष जत्सायनमः ॥ य ॥ ओं वल्लि जत्सायनमः ॥ उ ॥
ओं याखर्ष जत्सायनमः ॥ अ ॥ ओं नाम क्षिय जत्सायनमः ॥
ने ॥ ओं लाचक्र जत्सायनमः ॥ वा ॥ ओं वा सर्वनिधानं त्व
नमः ॥ ॥ ओं चंचेन्द्रायनमः ॥ इत्य ॥ ओं संस्र सूर्यायनमः

॥ इउ ॥ ॐः आ १ हूं श्रीवज्रसत्त्वगुत्रूयनमः ॥ मध्य ॥ ॐ व
ज्रगंध्या स्वाहा ॥ सिद्ध ॥ ॐ वज्रपूष्य स्वाहा ॥ स्वा ॥ ॐ वज्र
धूष्य स्वाहा ॥ धूं ॥ ॐ वज्रदिप्य स्वाहा ॥ मग ॥ ॐ वज्रने
वद्य स्वाहा ॥ नेविद्य ॥ ॐ वज्रनाजाय स्वाहा ॥ नाय ॥ स्वाजा
किलेखसथूसहायक ॥ चतुनलंमयंभूत्रभृष्टभृगयसा

हितं ॥ नानानलं समाकीर्तुं हृदं नूतनदायन ॥ गुत्रूया बुद्ध
धर्मस्थः सद्यस्यश्चकथेवच ॥ निर्याकथामिरावनसंपूर्त
नलंमशुलं ॥ धनजाकिस्वाकायावल्लाहातऊयनयंचान
॥ ॐ आ १ हूं श्रीमद्वज्रसत्त्वगुत्रूवचचवदकमलायसम्भस्थ
नावहासनकनायनभाह ॥ नमस्तु नुं ३ नमानम ॥ ॥ ह

स्वाहंस्नानमस्वामिशीगुपूनाथप्रसीद्धम् ॥ जाकिनदडा
याकपूजायाय ॥ यस्यप्रसादकिनहस्तुहितात्मगतस्व
त्प्रणयैतिकनपुहुतात्वंकाना ॥ यस्यनुनविलहडाः
सविलासमूचे सुस्नानमस्तुतिनियंगुपूनात्कनायनमा
बुद्धायगुलवंनमाधर्मायतानहानमासंघायनहातम

३
प्रित्यापिगततेनमः ॥ सर्वबुद्धनमस्वामिः धर्मचडिनहा
वितं संघं च शीलसंपन्नतत्प्रयनमस्तु ॥ नत्प्रयंमसज
सं सर्वप्रतिदिसाम्यघञ्जुमादजगतूधं बुद्धार्थादध
नमः ॥ अवाधार्सनहंयामिबुद्धधर्मगस्तुलमं ॥ वाधोचि
लंकनाम्यव स्वपनार्थप्रसिद्धय ॥ उत्पादयाम्यवचवा

विचिह्नं निमग्न्यामाषचसर्वसत्त्वानां॥ इहं च विष्णुं व
यथा विचार्य ब्रह्माह वयं जगतां हिताय॥ इह सना सर्वपापा
नां प्रस्थानां चानुमादनां॥ कृता एवा संचिन्त्यामि आर्या
संगमुयाषधं॥ मया बालनमूदनयत्किञ्चित्पमागम
॥ एकस्यावशसावशः पुण्यस्यावशमवच॥ तदस्य यंदश

धाम्निष नाथानामगुणः स्तिताः॥ कृता ऊर्लिदुःखमहीम
ः प्रक्षिपत्य पूनपूनः॥ अत्ययं मत्ययं त्वन पुतिगृह्णनुना
यकः॥ नरुडकं मिदं नाथनकर्तव्यं पूनर्मया॥ तथा ससा
ननसमानकाले लोकस्यादुःखं च सुरवाद्यं च॥ हर्तुं च
कर्तुं च सदृशं॥ कितमः पुकासश्च यथेव हानाः॥ पृष्ठ

२६॥ ननु स्मृतिमागता वा इष्टः कथायागमूपा महावा
॥ सर्वप्रकोले जगता हिताय कुर्यामजगत्सर्ववहिताय
॥ श्रीः आचमनं प्रोक्तमनं प्रोक्तं स्वाहा ॥ ततो येकां च
हावायुमं सुले तदुपनिषं कान्तं क्षिप्रं निमं सुले तदुपनिषि
मुमुक्तं बुद्धिकायां शिलसिपसहाश्नं तदुक्तं कादि

पनिपूनिता ॥ ॐ कूं ॐ किं रवं हूं नमो पातावं कान्तं जातयं
चासृतायें च प्रदिपं पस्पृत् ॥ ॐ हूं वा ॥ बलिस्वानवाया ॥
ॐ डाया स्वाहा ॥ ॐ माय स्वाहा ॥ वनूनाय स्वाहा ॥ कवला
य स्वाहा ॥ अरुन स्वाहा ॥ नेशय स्वाहा ॥ वायुव्यय स्वा
हा ॥ ॐ हानाय स्वाहा ॥ उड्वस्त्र स्वाहा ॥ सुर्पाया हा

धिपति स्थाहा॥ चन्द्राग्रहाध अग्राधिपतय स्थाहा॥ अर्द्धपू
 थित्य स्थाहा॥ नागार्यः स्थाहा॥ अस्त्ररूप स्थाहा॥ ऊरु रूप
 स्थाहा॥ सर्वदिग्दिगलाकपालाख्य स्थाहा॥ ॐ नृदिवाहि
 सहस्रवसंधे निमंचरुद्र सुवलिविधिष्ट ४ अग्निर्घमा
 नेमत्य काक्षयश्च आयां पतिवायूधनाधिपो च॥ ॐ स्नान

वलिस
 त्वानज्ञा
 किलं व
 धूलिहा
 यक॥

एताधिपतिचंद्रवाडुर्द्धचन्द्रार्कवितामहश्च॥ इवासंस्त
 रविपश्चनागाधनाशुशुगक्षगक्षे ४ समस्त॥ सपूग्रधाना
 सहस्ररूपः संघाः पुष्पं वलिधूपविलपनश्च॥ गुरुगुरुगुरु
 पिवन्तु चंद्रं चंद्रं चकर्मसहस्रं लंगूगनुसारा॥ ॐ नमान
 लपुयाय॥ नमः॥ ॐ इवगुपानयः महावज्रश्रीश्चाप

हाकैत
 नायक

इशकहेनवायश्चिमुसयनयाशगृहीरुहस्य
॥ॐ अमृतकृत्युलित्वगवसाहि २ गिर २ वध २ हन २ द
ह २ हिस्सातय २ महागनपतिकी विताभकाजायह
रुहृदस्वाहा ॥ पंचपहायवलिपूजनं ॥ वज्रगंधस्या
हा ॥ ति ॥ वज्रपूष्यस्वाहा ॥ वज्रधूयस्वाहा ॥ वज्रदि

व्यस्वाहा ॥ वज्रनेवशस्वाहा ॥ वज्रनाजायस्वाहा ॥
ॐ तिगुरुमधुलविसर्जनं मधुध्वया ॥ थनीलिपागपूजा ॥ ताव
नास्वानतया ॥ स्वतावशुद्धासर्वधर्माद्य ॥ स्वतावशुद्धाहं शुभ
ताज्ञानवज्रस्वतावात्मकीही ॥ धृतय ॥ तवैशी अमुकसग
वज्रविद्याजाजनमस्तुतकतुमिस्मितानार्थमधुलंकन

६॥ त्वर्कं शिष्यानामनुर्कपार्थपूष्पाकंपूजनाय च तत्तम
हृगवन्तस्य महर्गवन्तस्य सादृके तु महर्सि समन्मानेह
तु मानवेषु द्वाकृपा र्थाज्ञान्यामनुदेवतादेवतालाकपो
लाश्च हृगो संवाधी साधना साधना विनता ऊर्ध्वय कश्चित् अमु
कं पा मुपादाय सत्तु निष्पस्य मे अमुक देवता अर्चयिष्यामि व

जधूपनिर्या कयामिवजधूपंप्रतिरु स्वाहा ॥ ॥ गाय भक्त तवा
स्वीलाहातजाजलपंचोद ॥ वाक ॥ अशम सरुलं जन्म सरुलं
जिवितं च मसमय सर्वदा वाना तवीगाहं न संशय अदिव कर्मा
तदिव्यामिवाधो चेरु कचंग सागथागत कलात्यक्ति ममायुः
न संशय अश्यामदिव साजि श्रुक्षम जिशनाक्रम सान्विपा

समूहवर्णोऽं आ ४ हं वं आं जिं व हं सर्वगथागत अति धक सम
 शय हं ॥ धाम धु ल धिय ॥ ओं व जा द क हं व ज ह म ध स न ध स
 वं त था ग न स व धु ज ल धा न स्वा हा ॥ सि क ति क ॥ ॥ हं त प
 च मं ग न ध स ह सिं धू न सा ना वं ह सिं धू न य वं व ज ति
 ल स ह व न स्वा हा ॥ जं जं का ग य ॥ वं व व काले का न

पूजाभयज अष्टाभिर्विजडाध्यांगधुधकवसुवास
शस्वाहा॥ स्नानछाय॥ २३॥ समर्थस्वस्तिवहकूचू
नांबुद्धस्वस्तिदेवाभहसकास्वस्ति सर्वानिहतानि
सर्वकालदिसंजुव॥ बुद्धपूत्थानूलावनदवताना
मकनच॥ याथाऽर्थसमहिपुतसर्वथादिसमयता

स्वस्तिवादिपदहानुस्वस्तिवाधोचतुर्यद॥ स्वस्ति
वाचकतामार्ग॥ स्वस्तिपुल्यागहस्वच॥ स्वस्तिनागो
स्वस्तिदिवा॥ स्वस्तिमक्षादिनस्तिह॥ सर्वतुस्वस्ति
हानुआपयेयायायमागमह॥ सर्वसत्वासर्वपा
द॥ सर्वहताचकवत्ता॥ सर्ववैखानसनुसर्वसनु

निजात्मया॥ सवेहडातिपस्थनुमाद्यचेरवापायमा
गमत॥ यानिहृदयानि स मागनि स्तिगानि रुमावदमा
तविहे॥ कूर्वन्नुमैपुसततं प्रजासु दिवा च जाहा च न
ननु धर्म॥ वज्रपूष्यनिष्पातया हावन वज्रपूष्यस्या
हा॥ वज्रनेवशंसमया नानंखाश्रवाकसमं नितं वसूगं

धनसायकदशमपुगिपृतावज्रनेवयप्रगिच्छस्याहा॥
नेवयच्छय॥ धालाहाय॥ ॐ नमो हागवत विजं विज
इवनायमहाकल्याणि सन्निहाय हंरुद॥ जगाम कू
लातकताय हंरुद॥ इष्टा कलागुविषनमूषाय हं
रुद॥ सहस्ररुद्रो स्वयं हंरुद॥ व्याधुजिना वनध

य०

जायमहाधुमाश्वकाजावपूजुषायहंरुद्रस्वाहा॥
मत्तविय॥ नेगाहियामावहुजलकाषानजाधिया
चिपाइयप्राःस्वनंपुकासहंतमालहालाहलदिय
मालानचयनितगुंवऊदियनियॉतमानूहावनव
ऊदियंपुतिच्छस्वाहा॥ तायंपूजाया॥ यधमाहुतुप

लवाहुतुवजतखातथागतहवजतखेकृयानिवा
धयवंवादिमाहाशुवनं॥ अकालमूरवसर्वधर्माना
मायीनृत्यनत्वासर्वविघ्नसीतिनक्रांपूष्टिकृजुस्वा
हा॥ जाकिंपूजाया॥ मंजुश्रीकूमालरुतायवीधिस
वायमहासत्वायमाहाकान्निकातहलदवदरुद

५ पादपूजायायइतिधुनेअ० ५।१

दानं सर्वदा वयामिह ॥ पंचसालिग्व ५ अंतिग्व १ पूजाया
य ॥ धूसील ॥ सिद्धायवाक् ॥ ॐ उशा ता न चक्र ता निधूत
विशुक्ल ता ता स्वना दग्धानि शि त या पियोष महिता शियो
षधना पुन ता वृद्धशान वसा विना विकलूखा स्वा नन्दसिन्दू
हना लावीला व विचानध विनता वा ना हि का पात व निम्मा

नादिसर्मधुल गताकाशा दिवर्धु नृता प्रहाला कला हल नम
तमृत सवादि व्यावसृष्ट मापमा विशा वृद्ध कर्न वन ह चक्र तथा
तदिनिस्तान्दाल लि गोर्ध गत रु नवा वा सा हि का च त स ॥ ॥
दव पूजायाय ॥ महानिरुय ॥ अदिकाय ॥ मधुधिल समाधि
याय ॥ सद्यधु मग था वि पूजायाय ॥ धूसील दव पूजायाय ॥

o s c - o b - 2 c	o s c - o b - 2 c	o s c - o b - 2 c	o s c - o b - h c
2 s c - 5 - 2 c	3 b c - 3 - 2 c	2 s c - 5 - 2 c	h c c - 5 - h c
2 s c - 2 - 2 c	2 b c - 6 - 2 c	2 o c - 2 - 2 c	o o c - 2 - h c
3 s b - 6 - 2 c	2 s b - 3 - 2 c	2 z b - 6 - 2 c	h c b - 5 - h c
2 s b - 3 - 2 c	h e b - 1 - 2 c	3 h b - 3 - 2 c	o h b - 3 - h c
o s b - h - 2 c	2 o b - 2 - 2 c	o e b - h - 2 c	h e b - h - h c
2 b b - 2 - 2 c	b z - 5 - 2 c	2 o b - 2 - 2 c	o o b - 2 - h c
2 z - 5 - 2 c	2 h - 2 - 2 c	2 c - 5 - 2 c	h c - 5 - h c
3 h - 2 - 2 c	2 c - b - 2 c	2 h - 2 - 2 c	o h - 2 - h c
2 c - b - 2 c		2 c - b - 2 c	h c - b - h c

o s c - o b - 2 c	o s c - o b - 2 c	o s c - o b - 2 c	2 b c - o b - b c
3 b c - 3 - 2 c	6 o c - 5 - 2 c	2 s b - 5 - 2 c	2 b c - 5 - b c
2 s b - 2 - 2 c	2 s b - 2 - 2 c	3 c b - 2 - 2 c	2 z b - 2 - b c
2 s b - 6 - 2 c	b z b - 6 - 2 c	2 h b - 6 - 2 c	2 b c - 5 - b c
2 s b - 3 - 2 c	2 e b - 3 - 2 c	2 e b - 3 - 2 c	3 b b - 3 - b c
o c b - h - 2 c	h b b - h - 2 c	o b b - h - 2 c	h o b - h - b c
3 s - 2 - 2 c	2 s - 2 - 2 c	2 z - 2 - 2 c	2 z - 2 - b c
2 c - 5 - 2 c	2 s - 5 - 2 c	3 s - 5 - 2 c	2 s - 5 - b c
2 s - 2 - 2 c	3 s - 2 - 2 c	2 s - 2 - 2 c	2 s - 2 - b c
2 c - b - 2 c	2 c - b - 2 c	2 c - b - 2 c	2 c - b - b c

ooc — ob — oc
o2b — s — oc
o3b — 2 — oc
o4b — c — oc
o5b — 3 — oc
o6b — h — oc
o7 — s — oc
o8 — e — oc
o9 — c — oc
o0 — b — oc

o1b — ob — sb
b6b — s — sb
chb — 2 — sb
eeb — c — sb
abb — 3 — sb
h5 — h — sb
3c — s — sb
6h — e — sb
ze — c — sb
sb — b — sb

o2b — ob — 2b
e3b — s — 2b
4b — 2 — 2b
5b — c — 2b
6b — 3 — 2b
o5 — h — 2b
7c — s — 2b
8h — e — 2b
9e — c — 2b
2b — b — 2b

o6b — ob — 6b
ehb — s — 6b
3eb — 2 — 6b
4bb — c — 6b
5b — 3 — 6b
h2 — h — 6b
23 — s — 6b
bh — e — 6b
3e — c — 6b
6b — b — 6b

o3b — ob — 3b
4b — s — 3b
5b — 2 — 3b
6b — c — 3b
7s — 3 — 3b
o2 — h — 3b
83 — s — 3b
9h — e — 3b
ze — c — 3b
3b — b — 3b

ohb — ob — hb
heb — s — hb
oeb — 2 — hb
hob — c — hb
o5 — 3 — hb
h6 — h — hb
o3 — s — hb
h4 — e — hb
oe — c — hb
hb — b — hb

o4b — ob — 4b
5eb — s — 4b
6bb — 2 — 4b
7s — c — 4b
82 — 3 — 4b
oc — h — 4b
9h — s — 4b
ea — e — 4b
2c — c — 4b
4b — b — 4b

o5b — ob — 5b
6bb — s — 5b
7ob — 2 — 5b
bs — c — 5b
2c — 3 — 5b
h3 — h — 5b
ch — s — 5b
3e — e — 5b
3c — c — 5b
eb — b — 5b

00-h
 1-5-h
 02-3-h
 hē-6-h
 0ē-3-h
 hē-h-h
 0ē-4-h
 hē-h
 0ē-h
 h-b-h

The image shows a page from a manuscript, likely a musical score. It features a four-line staff with black square notes and stems. The notation is written in a cursive script, possibly Arabic or Persian. The page is aged and yellowed, with some visible wear and tear. The notes are arranged in a series of measures, with some notes having decorative flourishes. The text below the staff is also in the same cursive script.

6c - 3 - 6
 2c - 2 - 6
 6c - 6 - 6
 2c - 3 - 6
 6c - 6 - 6
 2c - 3 - 6
 6c - 6 - 6
 2c - 3 - 6
 6c - 6 - 6
 2c - 3 - 6

3b-2-c
 2b-c-c
 2b-3-c
 ob-h-c
 2-3-c
 3-4-c
 2-3-c
 2-3-c

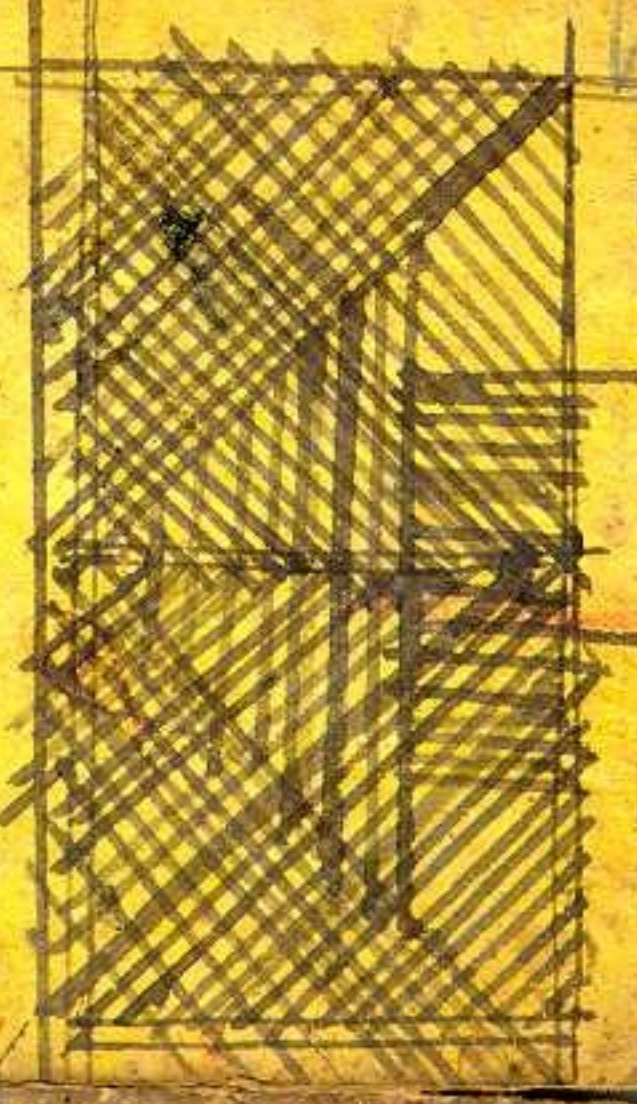
13
14
15
16
17
18
19
20



15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850



न



Handwritten text in Devanagari script, likely a title or description of the symbols.



Handwritten text in Devanagari script, likely a title or description of the symbols.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or chapter heading, located at the top of the right page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or chapter heading, located at the top of the left page.



न

